स्टारलिंक और यूटेलसैट

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

यूक्रेन में सेना और नागरिकों के संचार के लिये स्टारलिंक पर निर्भरता के बीच, स्पेसएक्स द्वारा हमलावर ड्रोन के लिये इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाने से चिंताएँ बढ़ गई हैं, जिससे यूरोपीय उपग्रह कंपनी **यूटेलसैट** को एक विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

- **स्टारलिंक:** स्पेसएक्स द्वारा विकसित, यह एक उपग्रह-आधारित इंटरनेट सेवा है, जिसे विशेष रूप से दूरदराज़ के क्षेत्रों में उच्च गति, निम्न विलंबता कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिये डिज़ाइन किया गया है।
  - लगभग **7,000 निम्न-भू कक्षा (LEO)** उपग्रहों के विशाल समूह के साथ, स्टारलिंक विश्वव्यापी कवरेज प्रदान करता है।
  - भारत ने सुरक्षा, गोपनीयता और मूल्य निर्धारण संबंधी चिंताओं के साथ-साथ स्थानीय दूरसंचार और उपग्रह उद्योग के विरोध के कारण स्टारलिंक को मंज़ूरी नहीं दी है।
- **यूटेलसैट: स्टारलिंक का निकटतम प्रतिद्वंद्वी यूटेलसैट 630 LEO उपग्रहों और 35 भू-स्थिर उपग्रहों का संचालन करता है, जो 150 Mbps तक की गति प्रदान करता है।**
- भारत में व्यापक वाणिज्यिक उपग्रह इंटरनेट का अभाव है, लेकिन दूरसंचार अधिनियम, 2023 उपग्रह-आधारित सेवाओं के लिये प्रशासनिक प्रक्रिया के माध्यम से स्पेक्ट्रम के आवंटन का प्रावधान करता है, जबकि स्थलीय स्पेक्ट्रम नीलामी के माध्यम से आवंटित किया जाता है।

और पढ़ें: स्टारलिंक परियोजना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/starlink-and-eutelsat